मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 10

MTT–041

सिंधी–हिंदी–सिंधी अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. एस. एच. एस. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.टी.टी.–041 : सिंधी–हिंदी अनुवाद : तुलना और पुनःसृजन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **250–300** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए : 2×15=30

(क) सिंधी–हिंदी पदबंधों के अनुवाद विषय पर टिप्पणी लिखिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ख) सिंधी-हिंदी भाषाओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'सिंधी-हिंदी भाषा की पदरचना' विषय पर निबंध लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** सिंधी शब्दों के हिंदी पर्याय लिखते हुए उनका सिंधी में वाक्यप्रयोग कीजिए : 5×2=10

(i) चहिबुकु

(ii) गुवारि

(iii) तोखे

(iv) ॾुॿिरो

(v) सांगु

(vi) पसारी

(vii) फाइदो

(viii) वाउ

(ix) वजीरु

(x) ॻीहणु

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** हिंदी शब्दों के सिंधी पर्याय लिखते हुए उनका हिंदी में वाक्यप्रयोग कीजिए : 5×2=10

(i) आमद

(ii) उपला

(iii) कर्मी

(iv) गरजना

(v) छितराव

(vi) जर्जर

(vii) तुड़वाना

(viii) नज़र

(ix) पाया

(x) बयासी

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** मुहावरों/कहावतों का सिंधी से हिंदी/हिंदी से सिंधी में अनुवाद करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5×2=10

(i) वातु पाणी पाणी थियणु

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ii) असरु थियणु

(iii) लोमी बणिजणु

(iv) रहियल खुहियल

(v) अजा दिली दूर आहे

(vi) आगे दौड़ पीछे छोड़

(vii) हाथ समेटना

(viii) छाती पर पत्थर रखना

(ix) चिंउटा होना

(x) आँखें खुलना

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 5×1=5

(i) सिनेमा हालु किथे आहे ?

(ii) कशमीर होटल ताईं पहुचणो आहे।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(iii) टपाल आफीस सुबुह जो डहें बजे खां शाम जो पंजे बजे ताईं खुलंदी आहे।

(iv) मां बीहनि जी भाजी खाधी।

(v) साजे पासे वारी डाकण तां अचो।

(vi) छा तण्हीं बंगले में रहंदा आहियो ?

(vii) प्रो. राम पजवाणी सिंधी साहित्यकार हो।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का सिंधी में अनुवाद कीजिए : 5×1=5

(i) वह बी. ए. कर रहा है।

(ii) आपकी उम्र क्या है ?

(iii) मैं रास्ता भूल गया हूँ, कृपया मेरी मदद कीजिए।

(iv) दवाखाना रविवार को बंद रहता है।

(v) मैं सप्ताह में दो बार टेनिस खेलता हूँ।

(vi) आपको साल में कितने दिन की छुट्‌टी मिलती है ?

(vii) मेरा अपना मकान है।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 1×15=15

(i) सांवण जे मुंद में ई अचे रखड़ीअ जो ड॒िणु इन खां अग॒ु आखाड़ जे महीने में व्यास पूर्णिमा जो ड॒िणु अचे, रखिड़ी भाउ ऐं भेण जे अटूट प्यार जे रिश्ते जो ड॒िणु करे मल्हायो वञे थो। भेण भाउ खे नाजुक रेशम जो धाग॒ो ब॒धी इन अटूट रिश्ते खे मज़बूत करण लाइ परमात्मा खे प्रार्थना कंदी आहे। ब॒िए तर्फ़ि भाउ पंहिंजी भेण जे मान संमान ऐं इज़्त आबरू जी रक्षा लाइ अहदु (वचन) कंदो आहे। रखिड़ीअ जे ड॒ींहुं गुरु ब्रह्मण पंहिंजे यजमाननि जे घरि वञी रखिड़ी ब॒धी आसीस कनि ऐं उन्हनि जे सुख शांतीअ लाइ प्रार्थना कनि। यजमान बि पंहिंजे वित आहिर ब्रह्मण सां हथ जोड़ कनि। अज॒कल्ह केतरियूं संस्थाऊं बि उन मौक़े ते शुभ कामनाउनि सां गड॒ु रखड़ी मोकलिनि थियूं।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

(ii) भूमीअ भूमीअ जी महिमा पंहिंजी पंहिंजी आहे, मुल्क मुल्क जो महात्म मुख़्तलिफ आहे। शिवजीअ जो आस्थान कैलाश ते ई थीन्दो, परियुनि जे आखाड़े लाइ कोह काफ ई सुहन्दो। नदियूं मिड़ेई नदियूं, ढंढूं मिड़ेई ढंढूं, पर हर जे पौड़ीअ वटि गंगा जल सां ॿियो कहिड़ो जल बरमेचींदो, मानसरोवर सां कहिड़ी झील कुल्हो हणन्दी ? यूरोप जे जंग जो क्षेत्र हर हर फलइंडरस ते थीन्दो ऐं हिन्दुस्तान जे किस्मत जो फैसिलो वरी वरी कुरुक्षेत्र ऐं थानेसर, पाणीपट ऐं करनाल वटि थीन्दो। काशीअ जा पण्डित भलि अकाबर हुजनि पर आचार्य वरी बि दक्षिण जा, अॻे शंकर ऐं राजानुज, हींअर रामन ऐं राधाकिशन–चित्र चिटींदा चीनी ऐं रोमी, पोख पैदाइश में सर्स थीन्दा जावा ऐं स्वरण भूमी। खुशि ख़ल्क ऐं खुशी जीअरा लभंदा फ्रांस ऐं ईरान में त कारीगर जर्मनी ऐं जपान में। वापारी त इंग्लैण्ड ऐं अमरीका, एकान्त ऐं एकता जो आलाप त सिन्धुअ जी वादी।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का सिंधी में अनुवाद कीजिए : 1×15=15

(i) भारतीय संस्कृति मूलतः धर्म और अध्यात्म केंद्रित है। धर्म और अध्यात्म का अभिप्राय यहाँ पूजापद्धति और संप्रदाय विशेष नहीं, बल्कि कर्तव्य से है जिसमें आचरण की पारदर्शिता निहित है। भौतिकतावाद अपने आकर्षण के बावजूद प्रवास में भी भारतीय मानस को अध्यात्म के संस्कार से विलग नहीं कर पाता क्योंकि "हमारे संस्कार हमारी नींव हैं जिनकी जड़ें बहुत मजबूत हैं, इसलिए आसानी से यहाँ की रोशन राहें हमें बहुत जल्दी गुमराह नहीं कर पातीं। शायद हर हिंदुस्तानी की यही प्रतिक्रिया हो, क्योंकि हमारी सभ्यता, संस्कृति परिवार से शुरू होकर परिवार पर खत्म होती है।" भारतीय संस्कृति कुटुंब संस्कृति है। संयुक्त परिवारों को महत्व देती है। इसके विपरीत

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

पाश्चात्य संस्कृति व्यक्ति केंद्रित है। भारतीय संस्कृति भोग का विरोध नहीं करती बल्कि यह संदेश देती है कि भोग में भी विवेक का होना आवश्यक है।

अथवा

(ii) अपने आप पर विश्वास करना आगे बढ़ने का संकेत है। दूसरों के भरोसे रहने पर काम कभी पूरा नहीं होता। कहा जाता है कि एक छप्पर में चिड़िया का घोंसला था। शाम को लौटकर आने पर चिड़िया ने बच्चों को घबराया हुआ पाया। पूछने पर बच्चों ने कहा यह घोंसला छोड़कर हमें अन्यत्र चलना चाहिए। चिड़िया के कारण पूछने पर बच्चों ने बताया कि किसान अपने बेटे से कह गया है सुबह होते ही यह घोंसला उठाकर बाहर फेंक देना। चिड़िया ने कहा चिंता की कोई बात नहीं। दूसरे दिन भी बच्चों की वही दशा देखी। पूछने पर बच्चों ने बताया आज तो किसान अपनी पत्नी से सुबह होते ही घोंसला उठाकर फेंक देने के लिए कह

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

गया है। चिड़िया निश्िंचत रही और बच्चों से भी चिंता न करने के लिए कहा। किंतु अगले दिन जब बच्चों ने यह कहा कि कल किसान ने स्वयं घोंसला फेंक देने के लिए कहा तो चिड़िया चिंतित हुई और दूसरे दिन किसान के जागने से पहले ही चिड़िया अपने बच्चों को लेकर दूसरे स्थान पर चली गई क्योंकि किसान ने स्वयं अपने हाथ से घोंसला फेंकने की बात कही थी। इसका मतलब है कि काम होकर रहेगा।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com